

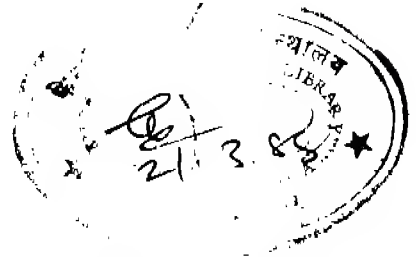


# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 251]  
No. 251]

नई दिल्ली, सोमवार, दिसम्बर 14, 1987/अग्रहायण 23, 1909  
NEW DELHI, MONDAY, DECEMBER 14, 1987/AGRAHAYANA 23, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

## वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 14 दिसम्बर, 1987

अधिसूचना

सं. एक 4 (5) छक्का पण्ड एम/87:--- 10.50 प्रतिशत ऋण 1997 (चौथा निर्गम) और 11.50 प्रतिशत ऋण, 2007 (दूसरा निर्गम) के लिए 800 करोड़ रुपये की कुल राशि के वास्ते 21 दिसंबर 1987 को वैधिम समय की समाप्ति तक अभिदान तहसी में स्वीकार किए जाएंगे। परक्राम्य लिखित अधिनियम, 1881 के अन्तर्गत किसी राज्य सरकार द्वारा 21 दिसंबर 1987 को छुट्टी घोषित किए जाने पर अगले कार्य दिन वैधिम समय की समाप्ति तक संबंधित अदायगी कार्यालयों में अभिदान स्वीकार किए जाएंगे। सरकार को 800 करोड़ रुपये में अधिक प्राप्त 10 प्रतिशत पर यथासंभव उनके निकट तक के अभिदानों को रख लेने का अधिकार है।

2. यदि उपर्युक्त ऋणों की कुल अभिदान राशि 880 करोड़ रुपये से अधिक हो तो अभिदाताओं को अनुपातिक आधार पर आंशिक आबंधन किया जाएगा। यदि आंशिक आबंधन किया जाता है तो आंशिक आबंधन के बाद यथाशीघ्र अधिक अभिदान की राशि लौटा दी जाएगी। इस प्रकार लौटायी गयी राशियों पर कोई ब्याज अदा नहीं किया जाएगा।

3. रु. 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और 11 मई 1997 को सममूल्य पर प्रतिदेय 10.50 प्रतिशत ऋण 1997 (चौथा निर्गम)

(i) वापसी अदायगी की तारीख --- ऋण 11 मई 1997 को सममूल्य पर वापस अदा किया जाएगा।

(ii) निर्गम मूल्य --- प्रत्येक रु. 1000.00 (संकेतिक) का निर्गम मूल्य रु. 1000.00 होगा।

(iii) ब्याज --- ऋण की ब्याज दर 21 दिसंबर 1987 से वार्षिक 10.50 प्रतिशत होगी। 21 दिसंबर 1987 से 10 मई 1988 (वर्षा) तक की अवधि का ब्याज 11 मई 1988 को अदा किया जाएगा और उसके बाद प्रत्येक छमाही में 11 नवंबर और 11 मई का ब्याज अदा किया जाएगा। इस प्रकार अदा किए गये ब्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 7 और 8 के उपबंधों के अन्तर्गत अर्धवार्षिक निर्गम, 1961 के अंतर्गत कर लगेगा। ब्याज की शेष राशि निरुद्धतम 5 पैसे में पूर्णकृत करने के बाद अदा की जायेगी।

4 रु. 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और 5 अक्टूबर 2007 को सममूल्य पर प्रतिदेय 11.50 प्रतिशत ऋण, 2007 (दूसरा निर्गम)

(i) वापसी अदायगी की तारीख --- ऋण 5 अक्टूबर 2007 को सममूल्य पर वापस अदा किया जाएगा।

(ii) निर्गम मूल्य --- प्रत्येक रु. 1000.00 (संकेतिक) का निर्गम मूल्य रु. 1000.00 होगा।

(iii) व्याज—इस ऋण की व्याज दर 21 दिसम्बर 1987 से वार्षिक 11.50 प्रतिशत होगी। 21 दिसम्बर 1987 से 4 अप्रैल 1988 (महिना) तक की अवधि का व्याज 5 अप्रैल 1988 को अदा किया जायेगा और उसके बाद प्रत्येक छमाही में 5 अक्टूबर और 5 अप्रैल को व्याज अदा किया जायेगा। इस प्रकार अदा किये गये व्याज पर नीचे दिए हुए अनुच्छेद 7 और 8 के उपबन्धों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अन्वयेन कर लगेगा। व्याज की शुद्ध राशि निकटतम पूर्ण रुपये में पूर्णकृत करने के बाद अदा की जायेगी। इस प्रयोजन के लिए पञ्चम पैमे में कम के व्याज को हिस्सा में नहीं लिया जायेगा और पञ्चम या उससे अधिक पैसों को अगले रुपये में पूर्णकृत किया जायेगा।

#### पूरक व्यवस्थाएँ

5 आवेदन-पत्र निम्नलिखित कार्यालयों में स्वीकार किए जाएंगे।

(क) अहमदाबाद, बंगलूर, भुवनेश्वर, बंबई (फोर्ट और भायखळा), कलकत्ता, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, नागपुर, नई दिल्ली, पटना और त्रिवेन्द्रम में स्थित भारतीय रिजर्व बैंक के कार्यालय, और

(ख) उपर्युक्त (क) में दिए गए स्थानों को छोड़कर भारत में सभी जिला मुख्यालयों में भारतीय स्टेट बैंक की शाखाएँ।

6 व्याज अदा करने का स्थान—इन ऋणों पर भारतीय रिजर्व बैंक के अहमदाबाद, बंगलूर, भुवनेश्वर, बंबई, कलकत्ता, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, नागपुर, नयी दिल्ली, पटना और त्रिवेन्द्रम में स्थित लोक ऋण कार्यालयों तथा भारत में जम्मू और कश्मीर तथा मित्रिकम राज्यों को छोड़कर अन्यत्र किसी राजकोष या उप-राजकोष में व्याज अदा किया जाएगा।

7 व्याज अदा करने समय (वार्षिक वित्त अधिनियमों द्वारा निर्धारित दरों पर) काटे गए कर की वापसी अदायगी उन ऋण धारकों को प्राप्त होगी जिन पर कर लागू नहीं है या जिनपर ऐसी दरों पर कर लागू होता है जो काटे गये कर की दर से कम हों।

जिस धारक पर कर लागू नहीं है या निर्धारित दर से कम दर पर कर लागू है वह जिले के आयकर अधिकारी को आवेदन कर उस से एक ऐसा प्रमाणपत्र प्राप्त कर सकता है जिसमें यह प्राधिकृत

किया गया हो कि कर की कटौती किए बिना या धारक पर लागू होने वाली न्यूनतम दर पर कर की कटौती करके उसे व्याज अदा किया जाए।

भारत का निवासी ऐसा व्यक्ति जिसकी कुल आय छूट की सीमा में अधिक नहीं है व्याज अदा करने के लिए जिम्मेदार व्यक्ति को निर्धारित फार्म में दो प्रतियों में योजना-पत्र भेजने पर कर की कटौती किए बिना व्याज की राशि प्राप्त कर सकता है।

8 अब जारी किए जाने वाले ऋणों पर व्याज और उसके पहले की अन्य सरकारी प्रतिभूतियों पर मिलनेवाले व्याज तथा अन्य अनुमोदित निवेशों से मिलनेवाला आय को वार्षिक 7,000 रुपयों का सीमा तक और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 80 ट के अन्य उपबंधों के अधीन आयकर से छूट प्राप्त होगी।

9 अब जारी किए जाने वाले ऋणों में किए जाने वाले निवेशों के मूल्य और इसके पहले सरकारी प्रतिभूतियों में किए गए अन्य निवेशों और संपत्ति कर अधिनियम की धारा 5 में निर्दिष्ट अन्य निवेशों के मूल्य को भी अधिनियम में निर्दिष्ट सीमा तक संपत्ति कर से छूट प्राप्त होगी।

10 प्रतिभूतियाँ केवल स्टॉक प्रमाणपत्रों के रूप में जारी की जाएंगी।

11 ऋणों के लिए आवेदनपत्र—ऋणों के लिए आवेदनपत्र, रु. 1,000 या उसके गुणजों के लिए होने चाहिए।

12 आवेदनपत्र एक साथ संलग्न फार्म में या क्रि. 1 में इसके फार्म में होने चाहिए जिसमें राशि आवेदक का पूरा नाम और पता तथा उस कार्यालय का स्टॉक उल्लेख हो जहाँ आवेदक व्याज की अदायगी का अपेक्षा करता है।

13 आवेदनपत्रों के साथ आवश्यक राशि तकदी या चेक के रूप में प्रेषित की जानी चाहिए। भारतीय रिजर्व बैंक या भारतीय स्टेट बैंक के कार्यालय में प्रस्तुत किए जानेवाले चेक संशोधित बैंक के नाम आश्रित किए जाने चाहिए।

14 स्वीकृत बैंकों को उनके द्वारा अनेक ग्राहकों की ओर से प्रस्तुत ऋण आवेदनपत्रों पर किए गए आवंटनों पर तथा दलालों को उनके द्वारा प्रस्तुत और उनसे मध्यस्थता ऋण आवेदनपत्रों पर किए गए आवंटनों पर प्रति रु. 100.00 (सार्केनिक) 6 पैमे की दर पर दलाली अदा की जायेगी। बैंक वाणिज्य और सहकारी बैंक—उनके अपने अभिदातों के लिए दलाली की अदायगी के पत्र नहीं होंगे।

राष्ट्रपति के आदेश से,

वी० बालकृष्णमणियन, विशेष कार्य अधिकारी

दलाल की मुहर और पता

आवेदन-पत्र का फार्म

सं/हम\*

(पूरा/पूरे नाम)

इसके साथ रु. \_\_\_\_\_ (\_\_\_\_\_ के लिए तकदी/बैंक\*—प्रस्तुत करना है/करने है और यह अनुरोध करना है/करने है कि मुझे/हमें\* स्टॉक प्रमाणपत्रों/सेरे/हमारे\* एस जी एल खाते में जमा के रूप में रु. \_\_\_\_\_ के सार्केनिक मूल्य की 10.50 प्रतिशत ऋण 1997 (चौथा निगम)\*/ 11.50 प्रतिशत ऋण 2007 (दूसरा निगम)\* की प्रतिभूतियाँ जारी की जाएँ।

2. मैं/हम\* चाहता हूँ/चाहते हैं कि उनका व्याज \_\_\_\_\_ में अदा किया जाए।

विशेष टिप्पणी : इस खाने में आवेदक कुल न लिखें।  
पंक्तिया आदता कार्यालय द्वारा की जाएगी।

हस्ताक्षर

पुरा/पुरा नम-

संबंधित पत्र में

अ.सं.सं.

दिनांक

"दखाली नहीं" मंदिर

नकदी प्राप्त होने की तारीख

चैक वसूल होने की तारीख

विशेष लागू खाने में जमा करने की तारीख

जाच की गई

नकदी आवेदनपत्रों को रजिस्टर में दर्ज किया गया

दखाली रजिस्टर में दर्ज किया गया

सांग पत्र में

प्रतिभूति में

हाई में

वाउचर पारित करने की तारीख

दिनांक

दिसंबर 1987

\*जो आवश्यक न हो उसे काट दिया जाए।

उपनिर्णय (1) प्रत्येक ऋण के लिए अलग-अलग आवेदन किया जाएगा।

(2) यदि आवेदक का हस्ताक्षर खण्ड के निम्नलिखित के नाम से होना चाहिए और उचित हो। माजिरी के हस्ताक्षरों के बीच उनके पुराने नाम, व्यवसाय और पते दिए जाएंगे।

(3) यदि आवेदन किसी पंजीकृत विकास के नाम से किया जाएगा तो निम्न आवेदनपत्र के साथ निम्नलिखित हस्ताक्षर यदि वे लागू ऋण कार्यालय में पहले ही पंजीकृत न किये गए हों तो संलग्न किए जाएंगे।

(i) निगमन पंजीकरण ... मूल प्रमाणपत्र या कार्यालय के मुद्रांक के तहत जारी किये गए प्राधिकृत पत्र प्रमाणित उपरोक्त सत्य प्रतिलिपि।

(ii) कंपनी / विकास के बहिनियमों और अतनियमों या नियमों और विनियमों / उप-नियमों की प्रमाणित प्रतिलिपियां।

(iii) कंपनी / विकास की ओर से सहाय्यी प्रतिभूतियों का वेतन करने के लिए प्राधिकृत व्यक्ति(यों) के पक्ष में किये गये सकल की प्रमाणित प्रतिलिपि, उनके / उनके विविध सत्यापित तमना, हस्ताक्षर / हस्ताक्षरों के साथ।

(4) आवेदकों को उन्हें जारी किये जाने वाले स्टॉक प्रमाणपत्र / पत्रों पर छाप हो व्यक्त के प्रेषण के लिए प्रादेश फार्म (लोक ऋण कार्यालय में उपलब्ध) भी भरना चाहिए।

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the 14th December, 1987

### NOTIFICATION

No. F. 4(5)W&M187.—Subscriptions for the issues of 10.50 per cent. Loan, 1997 (Fourth Issue) and 11.50 per cent. Loan, 2007 (Second Issue) for an aggregate amount of Rs. 800 crores will be received in the form of cash on the 21st December, 1987 upto the close of Banking hours. In the event of 21st December, 1987 being declared a holiday by any State Government under the Negotiable Instruments Act, 1881, the subscriptions will be received at the concerned receiving offices in that State upto the

close of Banking hours on the next working day. Government reserve the right to retain subscriptions received upto 10 per cent. or as near thereto as possible in excess of the sum of Rs. 800 crores.

2. If the total subscriptions to the aforesaid loans exceed the sum of Rs. 880 crores, partial allotment will be made to the subscribers on a proportionate basis. If partial allotment is made, the excess subscriptions will be refunded as soon as possible after partial allotment. No interest will be paid on the amounts so refunded.

3. 10.50 per cent. Loan, 1997 (Fourth Issue) issued at Rs. 100.00 per cent. and redeemable at par on the 11th May, 1997.

- (i) Date of Repayment—The Loan will be repaid at par on the 11th May 1997.
- (ii) Issue Price—The issue price will be Rs. 1000.00 for every Rs. 1000.00 (Nominal).
- (iii) Interest—The Loan will bear interest at the rate of 10.50 per cent per annum from 21st December 1987. Interest for the period from 21st December 1987 to 10 May 1988 (inclusive) will be paid on 11th May 1988 and thereafter interest will be paid half-yearly on the 11th November and 11th May. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 7 and 8 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961. The net amount of interest will be paid after rounding off to the nearest 5 paise.

4. 11.50 per cent, Loan 2007 (Second Issue) issued at Rs. 100.00 per cent. and redeemable at par on the 5th October 2007.

- (i) Date of Repayment—The Loan will be repaid at par on the 5th October 2007.
- (ii) Issue Price—The issue price will be Rs. 1000.00 for every Rs. 1000.00 (Nominal).
- (iii) Interest—The Loan will bear interest at the rate of 11.50 per cent, per annum from 21st December 1987. Interest for the period from 21st December 1987 to 4th April 1988 (inclusive) will be paid on 5th April 1988 and thereafter interest will be paid half-yearly on the 5th October and 5th April. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 7 and 8 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961. The net amount of interest will be paid after rounding off to the nearest whole rupee. For this purpose, amount of interest less than paise fifty will be ignored and paise fifty or more will be rounded off to the next rupee.

#### SUPPLEMENTARY PROVISIONS

5. Applications will be received at :—

- (a) Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bhubaneswar, Bombay (Fort and Byculla), Calcutta, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi, Patna and Trivandrum, and
- (b) Branches of the State Bank of India at all the DISTRICT HEADQUARTERS in India except at (a) above.

6. Place of Payment of Interest.—Interest on the Loans will be paid at the Public Debt Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bhubaneswar, Bombay, Calcutta, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi, Patna and Trivandrum and at any Treasury or

Sub-Treasury elsewhere in India except the States of Jammu & Kashmir and Sikkim.

7. Refunds of tax deducted at the time of payment of interest (at the rates prescribed by the Annual Finance Acts) will be obtainable by holders of the Loan who are not liable to tax or who are liable to tax at rates lower than the rate at which tax was deducted.

A holder who is not liable to tax or who is liable to tax at a rate lower than the prescribed rate, can obtain, on application, a certificate from the Income-tax Officer of the district, authorising payment of interest to him without deduction of tax or with deduction of tax at such lower rate as may be applicable to the holder.

An individual resident in India whose total income does not exceed the exemption limit can obtain, on furnishing a declaration in the prescribed form in duplicate to the person responsible for paying the interest, the amount of interest without deduction of tax.

8. Interest on the Loans now issued together with interest on other previous Government Securities and income from other approved investments will be exempt from income-tax subject to a limit of Rs. 7,000 per annum and subject to the other provisions of Section 80L of the Income-tax Act, 1961.

9. The value of investments in the Loans now issued together with the value of other previous investments in Government Securities and the other investments specified in Section 5 of the Wealth-tax Act will also be exempt from the wealth-tax upto the limit specified in the Act.

10. The Securities will be Issued in the Form of Stock only.

11. APPLICATIONS FOR THE LOANS—APPLICATIONS FOR THE LOANS MUST BE FOR RS. 1000 OR A MULTIPLE OF THAT SUM.

12. Applications may be in the form attached hereto or in any other form which states clearly the amount, the full name and address of the applicant and the office at which he desires the interest to be paid.

13. Applications should be accompanied by the necessary payment in the form of cash or cheque. Cheques tendered at the office of the Reserve Bank of India or the State Bank of India should be drawn in favour of the bank concerned.

14. Brokerage will be paid at the rate of 6 paise per Rs. 100.00 (Nominal) to recognised banks on allotments in respect of applications for the loans tendered by them on behalf of their clients and brokers on allotments made in respect of applications for the loans tendered by them and bearing their stamp. Banks—Commercial and Co-operative banks—will not be eligible for payment of brokerage in respect of their own subscriptions.

By order of the President,  
V. BALASUBRAMANIAN, Officer on Sol. Duty

## FORM OF APPLICATION

BROKER'S STAMP WITH ADDRESS

I/We\* .....  
[Full Name(s) in Block Letters]

at.....  
herewith tender \*Cash Rs.....(Rupees.....)  
Cheque for .....

and request that Securities of 10.50 per cent. Loan, 1997 (Fourth Issue)\*/11.50 per cent. Loan, 2007 (Second Issue)\*  
of the nominal value of Rs..... may be issued to my/us\* in the form of  
\*Stock Certificate/Credit to my/our\* S.G.I. Account.

2. I/We\* desire that interest be paid at.....

N.B. :—The applicant should not write anything in this cage.  
The entries will be filled in by the Receiving Office

	Initials	Date	Signature(s) ..... Name(s) in full ..... (Block Letters)
Application No.....			
N.B. Stamp			
Cash			
Received on .....			Address .....
Cheque			
Realised on .....			
Credited to Special Current			
Account on .....			
Examined .....			
Cash Applications			
Register posted .....			
Brokerage Register			
Posted .....			
Indent No.....			Dated the ..... of December 1987.
Script No. ....			
Card No. ....			
Voucher			
passed on .....			

\*Delete what is not required.

Notes : (1) Separate applications should be made for each Loan.

- (2) If the applicant's signature is by thumb mark, it should be witnessed by two persons. The full names, occupations and addresses of the witnesses should be appended to their signatures.
- (3) If the application is made in the name of the registered body, the undernoted documents, if not already registered at the Public Debt Office, should be enclosed with the investment application :—
- Certificate of Incorporation/Registration in original or a copy thereof certified as true by the issuing authority under his office seal.
  - Certified copies of Memorandum and Articles of Association or the Rules and Regulations/Bye-laws of the company/body.
  - Certified copy of resolution in favour of the person/s authorised to deal in Government Securities on behalf of the company/body together with his/their duly attested specimen signature(s).
- (4) Applicants should also complete a Mutilate Form (obtainable from Public Debt Office) for remittance of half-yearly interest on Stock Certificate/s issued to them.

